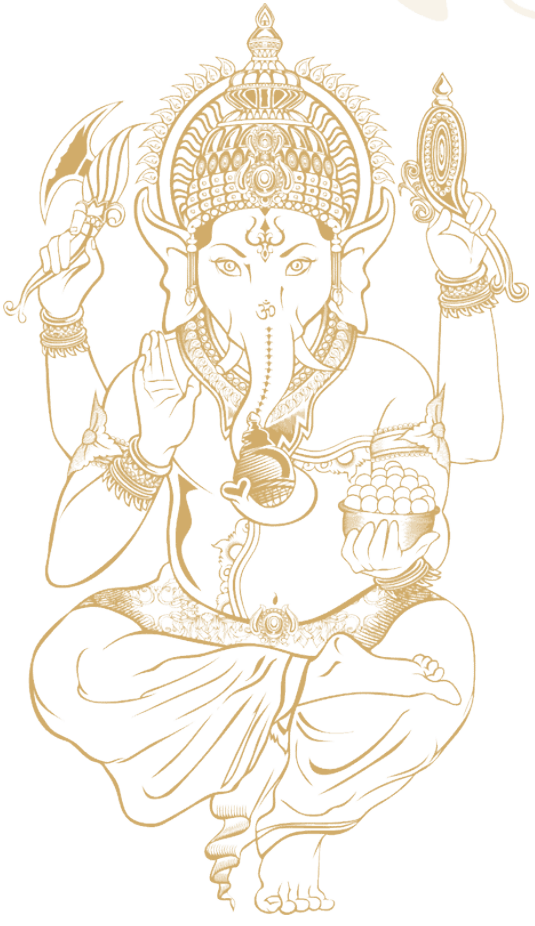

Lalit tyagi

05 Dec 1984

10:10 PM

Karnal

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/12/1984**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**22:10:00 घंटे**
इष्ट	37:47:42 घटी
स्थान	**Karnal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:47:56 घंटे
वेलान्तर	00:09:19 घंटे
साम्पातिक काल	02:46:35 घंटे
सूर्योदय	07:02:55 घंटे
सूर्यास्त	17:22:35 घंटे
दिनमान	10:19:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	20:05:50 वृश्चिक
लग्न के अंश	24:34:41 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	परिघ
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	24:34:41	306:32:01	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	20:05:50	01:00:54	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मेष	18:34:36	12:08:28	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			मक	21:25:03	00:45:38	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध	व		धनु	07:06:51	00:08:15	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	21:54:02	00:12:54	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र			मक	02:17:21	01:10:56	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			तुला	28:18:20	00:06:51	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु			वृष	03:49:01	00:01:00	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	03:49:01	00:01:00	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	20:09:03	00:06:25	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	06:51:19	00:02:11	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	09:59:50	00:01:59	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			मेष	20:27:40	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:32

लग्न-चलित

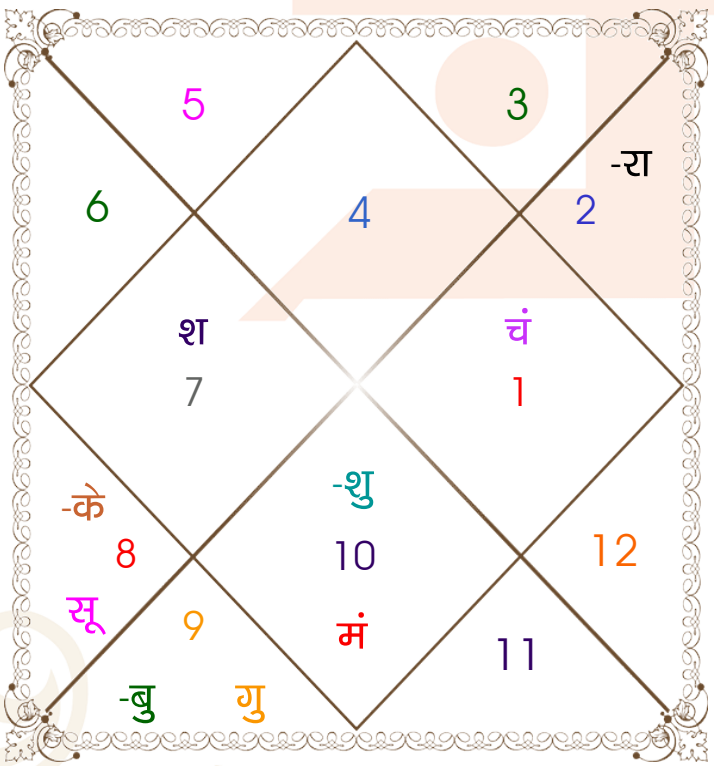

चन्द्र कुंडली

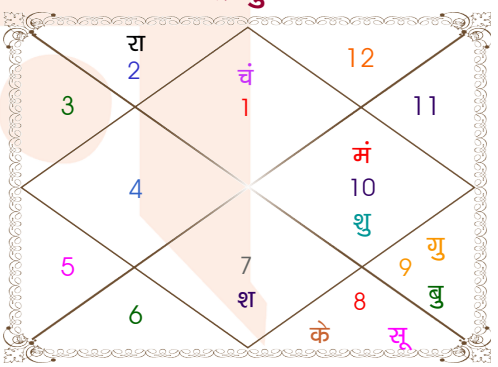

नवमांश कुंडली

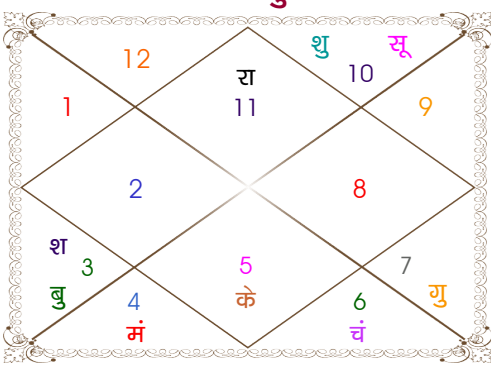

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 1 मास 18 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/12/1984		24/01/1997		24/01/2003		24/01/2013		25/01/2020	
24/01/1997		24/01/2003		24/01/2013		25/01/2020		24/01/2038	
	00/00/0000	सूर्य	13/05/1997	चंद्र	25/11/2003	मंगल	22/06/2013	राहु	07/10/2022
	00/00/0000	चंद्र	12/11/1997	मंगल	25/06/2004	राहु	10/07/2014	गुरु	01/03/2025
	00/00/0000	मंगल	20/03/1998	राहु	25/12/2005	गुरु	16/06/2015	शनि	06/01/2028
	05/12/1984	राहु	12/02/1999	गुरु	26/04/2007	शनि	25/07/2016	बुध	26/07/2030
राहु	26/03/1987	गुरु	01/12/1999	शनि	24/11/2008	बुध	22/07/2017	केतु	13/08/2031
गुरु	24/11/1989	शनि	12/11/2000	बुध	25/04/2010	केतु	18/12/2017	शुक्र	13/08/2034
शनि	24/01/1993	बुध	18/09/2001	केतु	24/11/2010	शुक्र	18/02/2019	सूर्य	08/07/2035
बुध	25/11/1995	केतु	24/01/2002	शुक्र	25/07/2012	सूर्य	25/06/2019	चंद्र	05/01/2037
केतु	24/01/1997	शुक्र	24/01/2003	सूर्य	24/01/2013	चंद्र	25/01/2020	मंगल	24/01/2038

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
24/01/2038		24/01/2054		24/01/2073		24/01/2090		24/01/2097	
24/01/2054		24/01/2073		24/01/2090		24/01/2097		00/00/0000	
गुरु	13/03/2040	शनि	27/01/2057	बुध	22/06/2075	केतु	22/06/2090	शुक्र	26/05/2100
शनि	25/09/2042	बुध	07/10/2059	केतु	19/06/2076	शुक्र	22/08/2091	सूर्य	27/05/2101
बुध	30/12/2044	केतु	15/11/2060	शुक्र	19/04/2079	सूर्य	28/12/2091	चंद्र	25/01/2103
केतु	06/12/2045	शुक्र	15/01/2064	सूर्य	24/02/2080	चंद्र	28/07/2092	मंगल	26/03/2104
शुक्र	06/08/2048	सूर्य	27/12/2064	चंद्र	25/07/2081	मंगल	24/12/2092	राहु	06/12/2104
सूर्य	26/05/2049	चंद्र	29/07/2066	मंगल	23/07/2082	राहु	12/01/2094		00/00/0000
चंद्र	25/09/2050	मंगल	06/09/2067	राहु	08/02/2085	गुरु	19/12/2094		00/00/0000
मंगल	31/08/2051	राहु	13/07/2070	गुरु	17/05/2087	शनि	28/01/2096		00/00/0000
राहु	24/01/2054	गुरु	24/01/2073	शनि	24/01/2090	बुध	24/01/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 12 वर्ष 1 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ है। तत्क्षण मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्नान्तर्गत कुंभ का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्रीय प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि कोई अतिरिक्त प्रभाव नहीं तथापि आशा है कि आपको अपनी अच्छी जिन्दगी के लिए जीवन के 34 वें वर्ष तक उत्सुकता पूर्वक प्रतीक्षा करनी होगी। परन्तु आप यदि विश्वासपूर्वक कृतसंकल्पित होकर भली प्रकार अपने कर्मपथ पर प्रयासरत एवं कार्यरत रहें तो समय के पूर्व भी सफल हो सकते हैं।

आपकी राशि प्रभाव से यह स्पष्ट संकेत प्राप्त होता है कि आपकी आय अच्छी होगी परन्तु आपके सम्बंध में सभी लोग जानते है कि आप मध्यपान एवं आनन्द प्राप्त करते हैं। परन्तु यह विन्दु स्पष्ट करता है कि आप किस प्रकार रमणीय एवं मूल्यवान प्रेम सम्बंध से सुरक्षित रह सकेंगे। सम्प्रति आपकी मनोवृति अत्यधिक स्वार्थपूर्ण हैं। आप सदैव अधिक मात्रा में अपने स्वार्थ साधन हेतु धन का व्यय कर सकते हैं। इस दशा में आपकें बृहद् परिवार के साथ मतभिन्नता रहना स्वभाविक है कि आपकी पत्नी के साथ आपका उत्कट प्रेम एवं अनुशासित सन्तान का स्नेह सम्बंध किस प्रकार मधुर बना रह सकेगा।

अतएव आपको सावधानी पूर्वक धन का व्यय करना चाहिए अन्यथा आपका जीवन एवं पारिवारिक सम्बंध स्थापित रहना अस्वाभाविक है।

यह आपके ऊपर निर्भर है कि आप अपनी स्वाभाविक क्षमता के अनुरूप इस महत्वपूर्ण कार्य का सम्पादन कर लाभान्वित हो। आप रूचिकर साहित्य का पठन एवं लेखन कर प्रभावशाली बातचीत करते हैं। आप अन्य लोगों पर इसका समुचित उपयोग कर अपना प्रभाव जमा सकते हैं। यदि आप अन्य लोगों के साथ इस नकारात्मक गुणों का व्यवहार करें तो अन्य लोगों को ऐसा सन्देह हो सकता है कि आप उनके साथ धोखा धड़ी करते हैं। यदि एक वार लोगों की ऐसा धारणा बन गई तो पुनः इसको मिटना दुष्कर कार्य होगा। परिणाम स्वरूप आप अपने व्यवसायिक एवं अन्य व्यवहार लोगों के साथ कर के सफलता प्राप्त नहीं करेंगे।

परन्तु यदि आप अपनी प्रवृति अच्छे कार्यो के अनुरूप कर ले तो आप स्वयं ही नहीं बल्कि सहयोगी बन्धु-बान्धव एवं अतिप्रिय व्यक्ति युक्त आवश्यकता के अनुरूप सुखद जीवन बिता सकते हैं। आपके लिए सुन्दर एवं अनुकूल व्यवसाय प्रवृति के अनुरूप वाणिज्य व्यवसाय हेतु लेखा परीक्षण का कार्य, ट्रेवल्स एजेन्ट्स एवं यानी निर्देशन का कार्य (गाईड का कार्य) सुन्दर एवं अनुकूल है।

आप स्वाभाविक रूप से समर्पित व्यक्ति हैं। आपकी धार्मिक मामले में अभिरूचि है और आपका विकास भी इसी क्षेत्र में होगा। यह गुण आपके सामान्य ज्ञान एवं आपकी शिक्षा द्वारा दर्शनशास्त्र के प्रकाशन से संभव एवं अनुकूल हो सकता है। इसके द्वारा आपको लाभांश प्राप्त होगा।

आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं उत्तम रहेगा। परन्तु यह संभव है कि आप उदर रोग,

जलोदर, एवं गांठ की जोड़ों दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको निर्देश है कि आप स्वास्थ्य के सम्बंध में पूर्ण सावधानी बरतें एवं समय-समय पर संयमित जीवन व्यतीत करने के लिए चिकित्सा सम्बंधी जाँच कराते रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली अनुकूल एवं प्रफ्फुलित करने वाला है। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक निष्क्रिय एवं अंक 3 एवं 5 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपका भाग्यशाली रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं सफेद रंग है तथा नकारात्मक रंग हरा एवं ब्लू रंग है।